छठ गीत प्रतियोगिता में छात्रों ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा दिया, जबकि सूप सजावट प्रतियोगिता ने उनकी रचनात्मकता को भी दर्शाया।

इन सरल गतिविधियों के द्वारा, हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने और धरोहरों के संरक्षण का छोटा सा प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही, युवा पीढ़ी को सामाजिक और नैतिक मूल्यों से जोड़ने की हमारी कोशिश भी निरंतर जारी रहेगी, जो इस समय की एक आवश्यकता है।